माता सुरजा मानसिक मंदित विशेष विद्यालय

(उत्कर्ष सेवा संस्था द्वारा संचालित)

ग्राम–दाऊतपुर, पोस्ट– दानगंज, थाना–चोलापुर, जनपद–वाराणसी–221101

प्रगति अभिलेख 2020-21

उत्कर्ष सेवा संस्थान, वाराणसी की स्थापना वर्ष 2016–17 में किया गया था जो कि सोसाइटी अधिनियम संख्या 1860 के अधीन पंजीकृत है। संस्था द्वारा विगत 5 वर्षों से दिव्यांग बच्चों की सेवा में समर्पित है। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य सामान्य बच्चों का तो समाज का प्रत्येक व्यक्ति सहयोग करता है किन्तु विशिष्ट आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों की शिक्षा एवं पुनर्वास के प्रति लोगों में रूझान कम ही पाया जाता है। इसी उद्देश्य और समानता का अधिकार दिलाने के लिए इस संस्था का निर्धारण किया गया तथा वर्ष जनवरी 2020 में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, लखनऊ से पंजीकरण कराकर इनके लिए पूर्ण रूपेण कार्य किया जाने लगा जिसके अन्तर्गत दिव्यांग बच्चों हेतु विशेष विद्यालय की भी स्थापना की गई और निरन्तर सेवाएं प्रदान किया जाने लगा। जिसमें संस्था द्वारा शिक्षा के साथ ही साथ विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाने लगा। इसके अतिरिक्त संस्था द्वारा समय–समय पर दिव्यांगों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता रहा है। संस्था का प्रबन्धन संस्थान की प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा किया जाता है।

संस्था का उद्देश्य– संस्था निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु कार्य कर रही है–

1. विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करने हेतु विशेष विद्यालय की स्थापना करना एवं उन्हें आवश्यकतानुसार जैसे– फिजियोथिरैपी, स्पीचथिरैपी, साइकोथिरैपी, आकुपेशनल थिरैपी इत्यादि सेवाएं प्रदान करना।

सचिव
उत्कर्ष सेवा संस्था
ग्रा–दाऊतपुर पो० दानगंज
जिला–वाराणसी (उ०प्र०)

2. विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा एवं पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु उनका चिन्हांकन करना।
3. जनपद में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित टीम के माध्यम से जाँचोपरान्त उन्हें दिव्यांगता प्रमाण–पत्र निर्गत कराना।
4. विशिष्ट बच्चों को उनके आवश्यकता एवं रूचि के अनुसार शिक्षण–प्रशिक्षण के साथ ही साथ विभिन्न प्रकार के खेलो में प्रतिभाग कराकर उत्साहवर्धन करना एवं स्वावलम्बी बनाना।
5. मलिन बस्तियों एवं झोपड़पट्टी में रहने वाले दिव्यांग बच्चों को पुनर्वासित कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना।

दिव्यांग बच्चों हेतु जाँच शिविर का आयोजन करना–

संस्थान द्वारा समय–समय पर जनपद के अलग–अलग विकासखण्डों में जाँच शिविर का आयोजन कर उनका चिन्हांकन किया जाता है जिससे उनकी दिव्यांगता व दिव्यांगता की श्रेणी का पता लगाया जा सके। चूंकि संस्था विशेष रूप से मानसिक मंद बच्चों हेतु कार्यरत है ऐसे में जो बच्चे शिक्षा के योग्य होते हैं उन्हें पुनः विशेष विद्यालय में उपलब्ध विषय विशेषज्ञों के माध्यम से उनका सेवार्थी इतिहास एवं आ०ई०पी० तैयार कर आवश्यकता अनुसार उन्हें शिक्षण–प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों हेतु खेल–कूद कार्यक्रम का आयोजन करना–

संस्थान द्वारा प्रति वर्ष बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार के खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चे के रूचि व योग्यता के अनुसार प्रतिभाग कराया जाता है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य उनके अन्दर छिपी हीन भावना कि हम कुछ नहीं कर सकते जिसको समाप्त कर उनका उत्साहवर्धन करना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जाता है कि वे स्वयं को समझ सकें और उनके अन्दर यह भावना जागृत हो कि वे सामान्य बच्चों की तरह सब कुछ कर सकते हैं।

बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करना–

संस्थान द्वारा प्रति वर्ष बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चे अपने रूचि व योग्यता के अनुसार प्रतिभाग करते हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य उनके अन्दर छिपी प्रतिस्पर्धा से अवगत कराना है।

सचिव
उत्कर्ष सेवा संस्था
ग्रा–दाऊतपुर पो० ...गंज
जिला–वाराणसी

शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम– संस्थान द्वारा वर्तमान में मानसिक मंद, आटिज्म एवं प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से ग्रसित बच्चों के लिए शिक्षण–प्रशिक्षण की सेवाएं उपलब्ध हैं। संस्था द्वारा दिव्यांगजनों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन्हें विशेष प्रशिक्षण द्वारा स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाया जाता है तथा अन्य दिव्यांगजनों को उनकी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार तरह–तरह के व्यवसायिक प्रशिक्षण दिये जाते हैं, जैसे– मोमबत्ती बनाना, लिफाफे बनाना, ग्रीटिंग कार्ड, आर्ट एण्ड क्राफ्ट इत्यादि। इसके साथ ही साथ इन्हें निःशुल्क शिक्षा, भौतिक चिकित्सा, वाक् एवं वाणी चिकित्सा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, खेल–कूद एवं संगीत की शिक्षा दी जाती है। इस वर्ष विद्यालय में सेवा प्राप्त करने वाले विशेष बच्चों की कुल संख्या उन्नीस (19) है।

विशेष ओ.पी.डी. सेवाएं– दिव्यांग बच्चों के शिक्षण–प्रशिक्षण से सम्बन्धित सेवाएं प्राप्त करने के लिए अभिभावक अपने बच्चे के साथ संस्थान में सम्पर्क करते हैं। संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा उनकी विधिवत जाँच एवं आकलन किये जाने के उपरान्त उन्हें उचित परामर्श प्रदान किया जाता है। उनमें से कुछ अभिभावक अपने बच्चों के उपचार एवं परामर्श हेतु समय–समय पर ओ.पी.डी. सेवा के अन्तर्गत सेवा प्राप्त करते रहते हैं।

विश्व निःशक्तजन सप्ताह कार्यक्रम– विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान द्वारा दिनांक 3 दिसम्बर से 8 दिसम्बर 2020 तक विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाया गया। इस पर्व के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत खेल–कूद प्रतियोगिता, निःशक्त बच्चों द्वारा बनाई गयी वस्तुओं की प्रदर्शनी, चित्रकला प्रतियोगिता एवं 8 दिसम्बर 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय मानसिक मंदता दिवस का आयोजन किया गया। सप्ताह के अन्तिम दिन विशिष्ट बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

त्योहार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम– त्योहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अर्न्तगत संस्थान द्वारा स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त), महात्मा गाँधी जयन्ती (2 अक्टूबर), गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी), सरस्वती पूजा एवं विश्व निःशक्तजन दिवस इत्यादि मनाएं जाते है। इसके साथ ही साथ विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक त्यौहार भी मनाया जाता है, जैसे– दीपावली, दशहरा, होली, क्रिसमस, ईद रक्षाबन्धन, कृष्ण जन्माष्टमी, सरस्वती पूजा, बाल दिवस, अम्बेडकर जयन्ती इत्यादि।

सचिव
उत्कर्ष सेवा संस्था
ग्रा–दाऊतपुर पो० दानी
जिला–वाराणसी (उ०प्र०)

भवन– संस्थान जिस भवन में संचालित किया जा रहा है, वह किराये पर है। इसमें 4 कमरे, बरामदा, शौचालय, स्नाना गार, खेलकूद के मैदान के साथ–साथ पानी की समुचित व्यवस्था है।

साज–सज्जा– प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा कुछ मेज, कुर्सियां, बेंच, डेस्क, स्पीच थिरैपी उपकरण, फिजियोथिरैपी उपकरण, पुस्तकें, आलमारी इत्यादि सामग्री उपलब्ध है। इन सामग्रियों का उपयोग विशेष बच्चों द्वारा किया जाता है। संस्थान में विद्यालय, कार्यालय प्रशिक्षण केन्द्र एवं कर्मचारियों हेतु आवश्यकतानुसार सभी सामान उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय– संस्थान में जो बच्चे पढ़ने योग्य हैं उनके लिए निम्नतम् शिक्षण सामग्री एवं पुस्तकें उपलब्ध हैं। संस्थान को और भी पुस्तकों, कापियों इत्यादि की आवश्यकता है, जिसके लिए संस्थान की प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा प्रयास किया जा रहा है।

अध्यक्ष / प्रबन्धक

सचिव
उत्कर्ष सेवा संस्था
ग्रा–दाऊतपुर पो० दानगंज
जिला–वाराणसी (उ०प्र०)